ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

अमृतवेला

अगर बाप के बने हैं, अधिकारी बने हैं तो पूरा वर्सा लेना है या थोड़ा कम? फिर तो नम्बरवन बनेंगे ना। दाता फुल दे रहा है और लेने वाला कम ले तो क्या कहेंगे? इसलिये नम्बरवन बनना है। नम्बरवन चाहे एक ही हो लेकिन नम्बरवन डिविज़न तो बहुत हैं ना। तो सेकेण्ड में नहीं आना है। लेना है तो पूरा लेना है। अधूरा लेने वाले तो पीछे-पीछे बहुत आयेंगे। लेकिन आपको पूरा लेना है। जब खुला भण्डार है और अखुट है तो कम क्यों लें? अखुट ख़ज़ाने के मालिक हो। बालक सो मालिक हो। तो सभी सदा खुश रहने वाले हो ना कि थोड़ा-थोड़ा कभी दुःख की लहर आती है? दुःख की लहर स्वप्न में भी नहीं आ सकती। संकल्प तो छोड़ो लेकिन स्वप्न में भी नहीं आ सकती। इसको कहा जाता है नम्बरवन। तो क्या कमाल करके दिखायेंगे? सभी नम्बरवन आकर दिखायेंगे ना? तो अभी अपने श्रेष्ठ संकल्पों से स्वयं को और विश्व को परिवर्तन करो। संकल्प किया और कर्म हुआ। ऐसे नहीं, सोचा तो बहुत था, सोचते तो बहुत हैं, लेकिन होता बहुत कम है, वे तीव्र पुरुषार्थी नहीं हैं। तीव्र पुरुषार्थी अर्थात् संकल्प और कर्म समान हो तब ही बाप समान कहेंगे। खुश हैं और सदा खुश रहेंगे। यह पक्का निश्चय है ना। **खुश रहने वाले ही खुशनसीब हैं। यह पक्का है या थोड़ा-थोड़ा कच्चा हो जाता है? कच्ची चीज़ अच्छी लगती है? पक्के को पसन्द किया जाता है। तो पूरा ही पक्का रहना है। रोज़ अमृतवेले यह पाठ पक्का करो कि कुछ भी हो जाये खुश रहना है, खुश करना है। अच्छा और कोई खेल नहीं दिखाना। यही खेल दिखाना, और-और खेल नहीं करना।**

AMRITVELA

Now that you belong to the Father and have claimed a right, are you going to claim the full inheritance or a little less? Then you will become number one, will you not? When the Bestower is giving fully but those who are receiving take a little less, what would you say? This is why you have to become number one. Even if there is only one who is number one, there are many in the number one division. So, you mustn't come in the second number. If you are going to claim something, claim it fully. Many who do not claim fully will follow later. However, you are going to claim fully. Since the treasure store is open and it is limitless, why should you take any less? It is unlimited, is it not? You are the masters of the infinite treasure. You are the children who are the masters. So, all of you are those who will always remain happy, are you not? Or do waves of sorrow come sometimes? Waves of sorrow cannot come to you even in your dreams. Let alone in your thoughts, they cannot come even in your dreams. This is known as being number one. So, what wonders will you show? All of you will definitely claim number one, will you not? So now, transform the self and the world with your elevated thoughts. As soon as you have a thought, you put it into action. It should not be that you think a lot. You say that you think a lot, but very little actually happen. Such souls are not intense effort makers. An intense effort maker means that your thoughts and actions are the same. Only then would you be said to be equal to the Father. **You are happy and you will always remain happy. You have this firm faith, do you not? Only those who remain happy are fortunate. Is this firm? Or do you become a little weak in this? Do you like something that is unripe? You like something that is ripe, so remain very firm. Every day at Amrit vela, make this lesson firm: No matter what happens, you will remain happy and make others happy. OK, do not show any other games. Just show this game; do not play other games.**

काली रूप धारण करो

एक-एक काली रूप जब बनेंगी तब समस्याओं का सामना कर सकेंगी। विशेष कुमारियों को शीतला नहीं बनना है, काली बनना है। शीतला भी किस रूप में बनना है वह अर्थ भी तो समझती हो। लेकिन जब सर्विस पर हो, कर्तव्य पर हो तो काली रूप चाहिए। काली रूप होगी तो काली भी किस पर बलि नहीं चढेगी। लेकिन अनेकों को अपने ऊपर बलि चढायेंगी। कोई पर भी स्वयं बलि नहीं चढ़ना। लेकिन उसको अपने ऊपर अर्थात् जिसके ऊपर आप सभी बलि चढ़ी हो उन पर ही सभी को बलि चढ़ाना है। ऐसी काली अगर बन गई तो फिर अनेकों की समस्याओं को हल कर सकेंगी।

अ.बापदादा-28.05.70

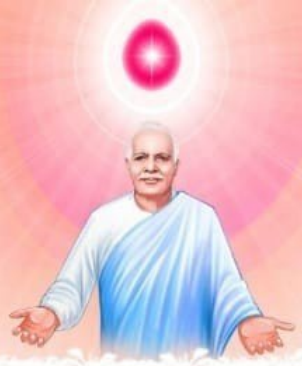

सम्पूर्णता की ओर

बापदादा द्वारा जो हर एक बच्चे को दिव्य बुद्धि का वरदान मिला है उस वरदान को कार्य में लगाओ अर्थात यूझ करो। कोई भी चीज यूझ करने से, कार्य में लगाने से बढ़ती भी है और उसको सुख की, खुशी की अनुभूति भी होती है। हर कार्य में दिव्यता है तो यह दिव्यता ही सफलता का आधार है।

Vyarth Sankalpon Ka Paper

ब्राह्मण जीवन शुद्ध सम्बन्ध का जीवन है, माला की जीवन है। माला का अर्थ ही है संगठन। ब्राह्मण परिवार के निश्चय में अगर कोई संशय आ जाता है, व्यर्थ संकल्प आ जाता है तो वह निश्चय को डगमग कर देता है। हलचल में लाता है। बाबा अच्छा, ज्ञान अच्छा, लेकिन ये दादियाँ अच्छी नहीं, टीचर्स अच्छी नहीं, परिवार अच्छा नहीं..। यह निश्चयबुद्धि के बोल हैं? उस समय निश्चयबुद्धि कहें कि संकल्प बुद्धि कहें? व्यर्थ संकल्प प्रसन्नचित्त बुद्धि रहने नहीं देते, तो समझा निश्चय की विशेषता क्या है? चौथी रूरिहान क्या करते हैं? वह फिर कहते कि समय श्रेष्ठ है, पुरूषोत्तम युग है, आत्मा परमात्मा के मेले का युग है यह सब मानते हैं फिर क्या कहते? अभी थोड़ा समय तो है ही, इतने में विनाश तो होना नहीं है, यह तो स्थापना के समय से कहते आये हैं कि विनाश होना है। दूसरी दीवाली नहीं आनी है। तो विनाश की बाते तो स्थापना के समय से चल रही हैं। विनाश कहते-कहते कितने वर्ष हो गये। अभी भी पता नहीं विनाश कब हो! थोड़ा सा अलबेले के, आलस्य के, ढीले पुरूषार्थ के डनलप के तकियें में आराम कर लें। समय पर ठीक हो जायेंगे। बाप को भी यह पक्का कराते हैं कि आप देखना हम समय पर बहुत नम्बर आगे ले लेंगे। लेकिन बापदादा ऐसे बच्चों को सदा सावधान करते हैं कि समय पर जागे और समय प्रमाण परिवर्तन किया तो यह कोई बड़ी बात नहीं हैं। लेकिन समय के पहले परिवर्तन किया तो आपके पुरूषार्थ में यह पुरूषार्थ की मार्क्स जमा होगी और अगर समय पर किया तो समय को मार्क्स मिलेगी आपको नहीं मिलेगी। तो टोटल रिज़ल्ट में अलबेले या आलस्य के नींद के कारण धोखा खा लेंगे। यह भी कुम्भकरण के नींद का अंश है। बड़ा कुम्भकरण नहीं है, छोटा है। फिर उसको क्या हुआ? अपने को बचा सका? नहीं बच सका ना! तो अन्त समय में भी अपने को फुल पास के योग्य नहीं बना सकेंगे। समझा! कभी कैसी रूहरूहान करते हो, कभी बहुत हिम्मत की भी करते हो, कभी नाज़-नखरे की करते हो और कभी खिटपिट की करते हो।--15-04-1992

Achanak Aur Eveready

परमात्मा शिव का बनने के बाद भी लौकिक सम्बन्धों को याद करना माना परमात्मा से कच्ची सगाई है, उन बच्चों को सौतेला कहा जाता है।

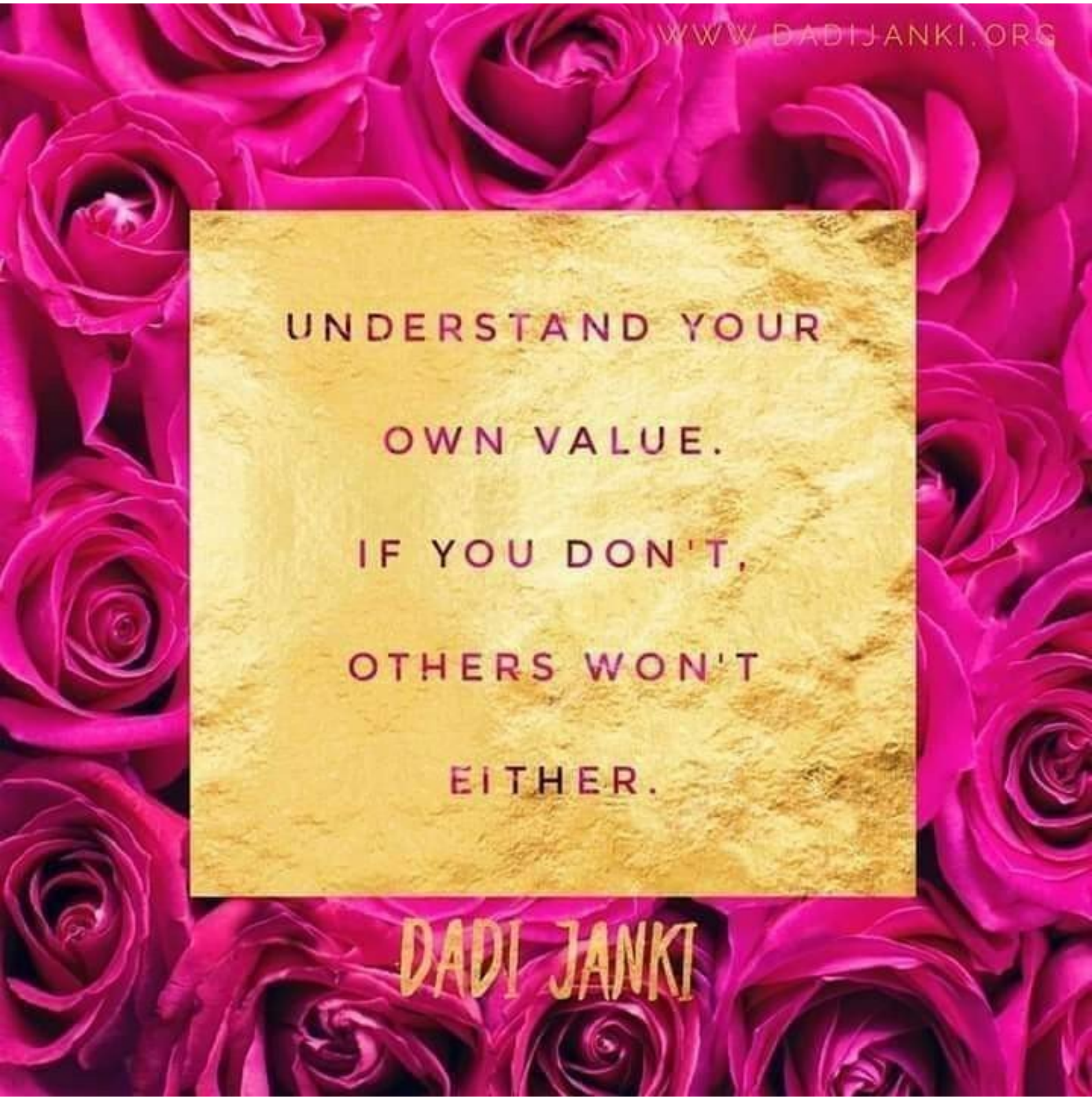
WWW.DADIJANKI.ORG
UNDERSTAND YOUR
OWN VALUE.
IF YOU DON'T,
OTHERS WON'T
EITHER.
DADI JANKI

वातावरण गुस्सा, तनाव,
दर्द, डर से दूषित है,
हमें उस emotional infection
से बचना है।

परिस्थितियां आएँगी – शांति से सहन करना,
समस्या का समाधान ढूंढना,
लोगों की बातों को समा लेना,
अहंकार छोड़कर किसी के आगे झुक जाना।

**लोगों के साथ उलझकर अपनी
शक्ति को गवाना नहीं,
अपनी शक्ति को सारा दिन
संभालकर चलना।**

BK SHIVANI

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org